विषयानुक्रमणिका

आभार

भूमिका **(i-ii)**

प्रथम अध्याय : माध्यम रूपांतरण की प्रक्रिया और साहित्य सिनेमा का अंतः संबंध **(1-12)**

1.1.रूपांतरण की प्रक्रिया
1.2.साहित्य और सिनेमा का अंतः संबंध
1.3.साहित्य और फिल्म
1.4.साहित्य और टेलीविजन

द्वितीय अध्याय : माध्यम रूपांतरण के लिए चयनित हरिशंकर परसाई की कहानियों का विश्लेषण **(13-36)**

2.1 परसाई जी का व्यक्तित्व
2.2 परसाई जी का रचना-संसार
2.3 परसाई जी की कहानियों में समाज
2.4 चयनित कहानियों का विश्लेषण

तृतीय अध्याय : हरिशंकर परसाई की चयनित कहानियों के सिने-रूपांतरण की प्रक्रिया का अध्ययन **(37-52)**

3.1 कुंदन शाह और 'परसाई कहते हैं' – परिचय
3.2 साहित्य और सिनेमा की रचना प्रक्रिया
3.3 रूपांतरण के कुछ मुख्य बिंदु
3.4 कहानियों का तुलनात्मक अध्ययन

चतुर्थ अध्याय : चयनित कहानियों के सिने-रूपांतरण की समस्याएं एवं सीमाएं (53-70)

4.1 कथा से पटकथा - परिवर्तन की समस्या
4.2 लेखक बनाम निर्देशक
4.3 पाठक बनाम दर्शक
4.4 समय अंतराल और निर्देशन
4.5 बाज़ार का दबाव

उपसंहार (71-72)

सन्दर्भ-ग्रंथ सूची (73-76)

परिशिष्ट (77-90)